''हम भारत के लोग'' की भावना को जन-जन तक फैलाएं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जवाहर कला केन्द्र में ''लोकमंथन-2026'' की स्वागत समिति की बैठक में भाग लिया

जयपुर, 19 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''लोकमंथन'' भारत की सांस्कृतिक चेतना और लोकजीवन की परंपराओं का उत्सव है तथा राजस्थान की धरा पर इसका आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को संरक्षित करना आवश्यक हो गया है। ऐसे में इस लोकमंथन कार्यक्रम के माध्यम से

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''लोकमंथन'' सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को संरक्षित करने का मंच है।

देशभर के विचारकों, विद्वानों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को विचार-विमर्श का साझा मंच मिलेगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को जवाहर कला केन्द्र में ''लोकमंथन-2026'' की स्वागत समिति की बैठक को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमंथन का मूल भाव राष्ट्र प्रथम के विचार को केन्द्र में रखते हुए हमारी गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और ज्ञान एवं विरासत को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की धरती वीरता और बलिदान के साथ-साथ, कला, साहित्य, संगीत, अध्यात्म, लोकजीवन और सांस्कृतिक वैभव की अनुपम धरा है। यहां की मांड गायकी, घूमर, कालबेलिया नृत्य, कठपुतली कला, फड़ चित्रकला और स्थापत्य परंपरा की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। जयपुर में लोकमंथन का आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि स्वागत समिति के सदस्य लोकमंथन 2026 के माध्यम से 'हम भारत के लोग' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

स्वागत समिति के महासचिव एवं ''प्रज्ञा प्रवाह'' के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंदकुमार ने कहा कि लोकमंथन-2026 से पूर्व, राजस्थान के विभिन्न अंचलों में एक व्यापक यात्रा निकाली गई, जिसके अंतर्गत 'ग्राम दर्शन' जैसे अभूतपूर्व कार्यक्रम संपन्न हुए। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने लोकमंथन-2026 के आयोजन स्थल पर विधिवत भूमि पूजन किया। उल्लेखनीय है कि 'हम भारत के लोग' थीम पर आधारित लोकमंथन-2026 का आयोजन जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में 4 से 6 दिसंबर तक किया जाएगा। बैठक में आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार सहित, संत-महंत एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जवाहर कला केन्द्र में लोकमंथन-2026 की स्वागत समिति की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकमंथन-2026 के आयोजन स्थल पर विधिवत भूमि पूजन भी किया।

भाखड़ा नहर पर लोहे का पुल टूटा

चंडीगढ़ , 19 नवंबर। पंजाब में पटियाला-संगरूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाखड़ा नहर पर बना लोहे का पुल

- पटियाला-संगरूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह अवरूद्ध हुआ।

गुरुवार तड़के अचानक टूट गया और उस पर गुजर रहे दो ट्रक धंस गए। पुल टूटने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात पूरी तरह से अवरूद्ध हो गया। भाखड़ा नहर का बहाव मुड़ने से आसपास अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने प्रशासन के साथ मिलकर स्थिति को नियंत्रित किया।

यह हादसा पटियाला-संगरूर बाइपास पर गांव पसियाना के पास हुआ। बताया गया है कि दो ट्रकों में से एक में आग लग गई। सूचना पाकर दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंचीं। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुल के टूटने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।

क्या गिरफ्तार हो सकते हैं शिखर अग्रवाल ?

हाईकोर्ट ने आईएएस शिखर अग्रवाल को भ्रष्टाचार की जांच के खिलाफ अंतरिम राहत नहीं दी

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 19 नवम्बर। राजस्थान में कार्यरत अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनंता रिसोर्ट के मालिक संजय गोयल और मुकुंद शरण गोयल को सरकारी पद पर रहते हुए फायदा पहुंचाने के मामले में दायर एफआईआर और एसीबी की कार्रवाई के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई में शिखर अग्रवाल द्वारा एसीबी के मामले और उससे उत्पन्न एफआईआर को बर्खास्त करने की गुहार की गई थी, परंतु अदालत ने इस मामले में शिखर अग्रवाल को कोई भी राहत न देते हुए, मामले की सुनवाई 18 दिसंबर तय की है और एसीबी तथा पुलिस विभाग को मामले में अपना जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ के आदेश के बाद कोर्ट के गलियारों में चर्चा यह थी कि अदालत से राहत न मिलने की वजह से शिखर अग्रवाल की परेशानियां बढ़ गई हैं, क्योंकि पुलिस प्रशासन जांच की

- अटकलें लगाये जा रही हैं कि पुलिस-प्रशासन शिखर अग्रवाल को जांच की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार भी कर सकता हैं।

कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार भी कर सकता है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान, शिखर अग्रवाल की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की प्रारंभिक जांच और राज्य सरकार की ओर से जांच की मंजूरी बिना सोचे समझे और अत्यंत ही शीघ्रता से दी गई है। उनकी ओर से कहा गया कि रीको के अध्यक्ष व प्रदेश में निवेश संवर्धन ब्यूरो के सदस्य होने के नाते, वे केवल कंपनियों द्वारा प्रदेश में निवेश बढ ाने का प्रस्ताव देते हैं, और किसी भी कंपनी से उनके लेने देन की जानकारी, जैसे अचल संपत्ति की खरीददारी (अचल संपत्ति रिटर्न) की जानकारी उपयुक्त विभागों को दे रखी है।

इस मामले में एसीबी की जांच से ये तथ्य स्पष्ट हो जायेंगे कि शिखर अग्रवाल के किसी व्यक्ति विशेष या कंपनी संचालकों से निकटतम संबंध थे और इसकी जानकारी राज्य सरकार को तब स्पष्ट रूप से साझा नहीं की गई थी या नहीं, जब उक्त व्यक्ति या कंपनी से संबंधित प्रस्तावों पर राज्य सरकार फैसला ले रही थी।

अदालत ने राज्य सरकार द्वारा मामले में भ्रष्टाचार से संबंधित जांच करने की अनुमति किन तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए दी गई है, इस संदर्भ में अगली सुनवाई पर जवाब प्रस्तुत किया जायेगा। इस मामले में राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद अदालत में मौजूद थे और उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व प्रशासन इस जांच के संदर्भ में पूरा जवाब अगली तारीख तक प्रस्तुत कर देंगे।

उदयपुर में इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड कंपनी पर आयकर के छापे

कंपनी के मैनेजिंग डॉयरेक्टर के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से करीबी संबंध बताये जाते हैं

उदयपुर, (कास), नवम्बर। उदयपुर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम ने गुरुवार को इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। गुरुवार को आयकर विभाग की टीम अचानक सेक्टर 11 स्थित कंपनी के दफ्तर पहुंची। आयकर विभाग की टीम द्वारा फर्टिलाइजर, रियल एस्टेट और होटल कारोबार से जुड़ी कंपनी के व्यावसायिक परिसरों में दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम ने गुरूवार को इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड पर छापा मार एक

- जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव की मतगणना से पहले आयकर विभाग की कार्यवाही के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

और बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से प्रदेश के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की सांसें अटकी हुई है। आयकर टीमों का इंडियन फॉस्फेट के ऑफिस, फैक्ट्री, इसके मैनेजिंग डायरेक्टर उद्योगपति रवीन्द्र सिंह उर्फ रूबी के संबंधित ठिकानों पर सर्च जारी है। सूत्रों के अनुसार, रूबी प्रदेश के कई आईएएस और आईपीएस के संपर्क में रहते हैं।

चर्चा में है कि इनसे संबंधित एक बड़े होटल का निर्माण कार्य भी चल रहा है। विभाग की टीमें वित्तीय लेनदेन, कारोबारी रिकॉर्ड और संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज खंगालने में जुटी हुई है। रेड के दौरान पुलिस के जवान सुरक्षा में तैनात नजर जाए। फिलहाल कार्रवाई के दौरान कंपनी के खातों, आय-व्यय के रिकॉर्ड और विभिन्न कारोबारी सौदों से जुड़े दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है। इस बात की भी जांच जारी है कि कंपनी के रिकॉर्ड में दर्ज आय और वास्तविक कारोबारी गतिविधियों के बीच कोई अंतर तो नहीं है ।

गौरतलब है कि 20 नवंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव की मतगणना होनी है। ऐसे में आयकर विभाग की इस कार्रवाई के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि आयकर विभाग ने कार्रवाई में हुए खुलासे संबंध में कोई अधिकृत जानकारी अभी नहीं दी है।

'मैं आपका चैलेंज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तय नहीं है, उन्हें पहले अपना टिकट पक्का कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ''पीडीए प्रहरी'' ही काफी होगा। उन्होंने पवन पांडे का जिक्र करते हुए कहा, ''पवन का झोंका आएगा, अहंकार सब उड़ जाएगा।'' उन्होंने मंदिर में चंदे से जुड़ी अनियमितताओं का मुद्दा भी दोहराया।

2022 के विधानसभा चुनाव में अयोध्या जिले की पांच सीटों में से दो पर सपा ने जीत हासिल की थी। ये सीटें मिल्कीपुर और गोसाईगंज थीं, जबकि भाजपा ने तीन सीटें -अयोध्या, रुदौली और बीकापुर जीती थीं। फरवरी 2025 में मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा के अवधेश प्रसाद के बेटे को 61,000 से अधिक वोटों से हराया था। यह उपचुनाव फैजाबाद लोकसभा सीट से सपा के अवधेश प्रसाद के जीतने के बाद खाली हुई सीट पर कराया गया था। इस जीत के साथ, भाजपा ने फैजाबाद लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में कब्जा जमा लिया। खबरों के अनुसार, बाद में गोसाईगंज के सपा विधायक भी भाजपा में शामिल हो गए।

इस बात की संभावना कम है कि अखिलेश इस चुनौती को स्वीकार करेंगे। उन्होंने संकेत दिया है कि हो सकता है कि वे 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ें ही नहीं। उनका कहना है कि 2012 की तरह, वे बिना चुनाव लड़े भी, मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इसके अलावा, पार्टी अयोध्या से पहले ही पवन पांडे को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। दोनों नेताओं के बीच यह बयानबाजी किसी औपचारिक वादे के बजाय, राजनीतिक लामबंदी (समर्थन जुटाने की कोशिश) ज्यादा लगती है।

दाऊद के पुराने ठिकाने को तोड़ने पर हाईकोर्ट की रोक

मुंबई, 19 नवंबर। मुंबई के भेंडी बाजार इलाके में स्थित हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना को गिराने की कार्रवाई गुरुवार सुबह शुरू की गई। बीएमसी की टीम ने बुलडोजर और भारी मशीनों के साथ इमारत को गिराने का काम शुरू किया। लेकिन कुछ ही देर बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी है।

यह मुसाफिरखाना कभी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उनके परिवार का ठिकाना हुआ करता था। इसे गिराने की कार्रवाई के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए। जेसीबी मशीन की मदद से मुसाफिरखाना को ध्वस्त करने का काम किया गया। मशीनों की मदद से ही टूटे हुए हिस्सों को हटाया जा रहा है। लेकिन कार्रवाई शुरू होने के कुछ देर बाद ही इस पर रोक लगा दी गई।

ढाका में बम धमाके, मोहम्मद यूनुस के पैतृक मकान को जलाया

उपद्रवियों ने ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं में आग लगाई, अवामी लीग के दो नेताओं के घर पर हमला

ढ ाका, 19 नवंबर। बांग्लादेश की राजधानी में तड़के देसी बमों के धमाके हुए, जबकि चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर में आग लगा दी गई। यह अशांति पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली प्रतिबंधित अवामी लीग द्वारा गुरुवार को बुलाए गए लॉकडाउन के बाद हुई।

पुलिस और चश्मदीदों ने बताया कि कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। चश्मदीदों के अनुसार, कड़ी सुरक्षा के बावजूद ढ ाका में कई जगहों पर देसी बमों के धमाके हुए, आगजनी की गई और तोड़फोड़ की गई।

- पुलिस के अनुसार राजधानी के प्रमुख फ्लाई ओवरों पर अधिक जवान तैनात किये गए तथा प्रवेश व निकास बिन्दुओं पर वाहनों व मोटरसाइकिल सवारों की जांच में अधिकारी भी लगे।

बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं में आग लगाए जाने के बाद अज्ञात उपद्रवियों ने चट्टोग्राम के पंचलाइश इलाके में यूनुस के पैतृक घर को भी आग के हवाले कर दिया। अखबारों की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिद्वंद्वी कार्यकर्ताओं ने रात भर में ढ ाका में अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला किया या उनमें आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि उन्होंने रात में सुरक्षा बढ़ ा दी है और राजधानी के प्रमुख फ्लाईओवर पर और अधिक जवानों को तैनात किया है। साथ ही, अधिकारियों को प्रवेश और निकास बिंदुओं पर वाहनों की जांच करते और मोटरसाइकिल सवारों तथा संदिग्ध वाहनों के चालकों से पूछताछ करते देखा गया। अवामी लीग ने ऐसे समय में लॉकडाउन का आव्हान किया है, जब पिछले साल एक विशेष ट्रिब्यूनल ने हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाकर मौत की सजा सुनाई थी। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील जिलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के हजारों अर्धसैनिक जवानों को तैनात किया गया है। इनमें हसीना का जन्मस्थान, दक्षिण-पश्चिमी गोपालगंज जिला भी शामिल है।

डेढ़ घंटे चली पुतिन, जिनपिंग व ट्रंप की बैठक

बीजिंग/मॉस्को, 19 नवंबर। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों के बीच गुरुवार को हुई पहली त्रिपक्षीय बैठक समाप्त हो गई। चीन के शेनझेन स्थित किलिन शानझुआंग स्टेट रेजिडेंस में आयोजित यह बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक व्यवस्था, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती ने आज बताया कि बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध में चीन, रूस और अमेरिका मुख्य विजेता रहे थे। ऐसे में तीनों देशों की जिम्मेदारी है कि वे युद्ध के बाद स्थापित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करें। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों का पालन करने तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में मिली जीत के परिणामों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

आज दोपहर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'रेड मैसेज' (चक्रवात चेतावनी) जारी की गई है। चक्रवात के प्रभाव से 20 नवंबर को ओडिशा के कई हिस्सों में भारी तथा कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश (21 सेमी या उससे अधिक) होने की संभावना है। इसके अलावा, 20-21 नवंबर के बीच गांगेय पश्चिम बंगाल, दक्षिणी झारखंड, उत्तरी व मध्य छत्तीसगढ़ , दक्षिण-पूर्वी बिहार और पूर्वोत्तर के राज्यों (असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा) में भी भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की गई है।

'बाला साहब ठाकरे की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी अपनी पार्टी में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।

यहीं से मामला राजनीतिक रंग लेने लगा और विपक्ष ने उन पर बालासाहेब का अपमान करने का आरोप लगाया। शुरुआत में तो शिवसेना ने कड़ा रुख अपनाया, लेकिन एक दिन बाद उनके लहजे में माफी का भाव दिखाई दिया।

शाइना एनसी ऑऑने आज एक्स पर लिखा, ''कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैंने बालासाहेब के विचारों का जिक्र किया था। हालांकि, मेरे कार्यों और बयानों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। मेरा बालासाहेब का अपमान करने का इरादा कभी भी नहीं था। इसके विपरीत, मैं उन प्रखर आदर्शों से प्रेरणा लेती हूं, जिनका उन्होंने अपने पूरे जीवन में पालन किया।''

उन्होंने आगे लिखा, ''अगर मेरे किसी काम से अनजाने में सच्चे शिवसैनिकों या बालासाहेब के प्रशंसकों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं उनसे दिल से माफी मांगती हूं। लेकिन उन लोगों से, जिन्होंने मेरे काम को गलत तरीके से पेश करके राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की है, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि बालासाहेब के प्रति मेरे प्रेम और निष्ठा को साबित करने के लिए मुझे किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है!''

इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत नेता के साथ पिछले कई वर्षों में खिंचवाई गई अपनी कई तस्वीरें भी साझा कीं।

'कॉरपोरेट जगत केवल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

20 वर्षों में निवेश से जुड़े हर बड़े और दीर्घकालिक फैसले में ''भारत प्रथम'' की सोच अपनाएं। उनका कहना था कि आत्मनिर्भरता और कारोबार का विस्तार, ये दोनों लक्ष्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

यह चुनौती विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा मुख्य रूप से तकनीक, सप्लाई चेन, महत्वपूर्ण खनिजों और रणनीतिक संसाधनों पर नियंत्रण के इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे समय में, जब संसाधनों का इस्तेमाल दबाव बनाने के हथियार के रूप में किया जा सकता है और भू-राजनीतिक तनाव व्यापार में बाधा डाल सकते हैं, आयात पर अत्यधिक निर्भरता केवल एक आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि देश की एक बड़ी कमजोरी है।

प्रधानमंत्री ने इसे दवा उद्योग (फार्मास्यूटिकल क्षेत्र) का उदाहरण देकर समझाया। भारत को दुनिया की फार्मेसी माना जाता है। लेकिन इसके बावजूद वह अरबों डॉलर के एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (ए.पी.आई.), बल्क ड्रग्स और इंटरमीडिएट्स का आयात करता है। इसी तरह, देश लौह अयस्क (आयरन ओर) का निर्यात करता है, लेकिन विशेष प्रकार के फिनिश्ड स्टील का आयात करता है। देश के पास बॉक्साइट के पर्याप्त भंडार हैं, लेकिन विशेष प्रकार के एल्युमिनियम उत्पादों के लिए वह विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर है। इसी प्रकार, वह कृषि उत्पादों का निर्यात करता है, जबकि उनसे बने वैल्यू-एडेड उत्पादों का आयात करता है।

ये विरोधाभास उस मैनुफैक्चरिंग मॉडल की कमियों को उजागर करते हैं, जिसने घरेलू तकनीकी क्षमताओं और वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी है। मोदी चाहते हैं कि उद्योग जगत केवल तैयार उत्पादों को जोड़कर अंतिम रूप देने और बेचने तक सीमित न रहे, बल्कि कच्चे माल और अनुसंधान से लेकर आधुनिक उत्पादन तक पूरे मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम को विकसित करने की दिशा में काम करे।

कृषि पर उनका जोर भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विशाल कृषि आधार होने के बावजूद, वैश्विक कृषि निर्यात में भारत की हिस्सेदारी केवल लगभग 2 से 2.5 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत से कृषि क्षेत्र में निवेश करने की अपनी हिचकिचाहट दूर करने और अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुरूप आधुनिक खरीद, प्रसंस्करण तथा वितरण नेटवर्क विकसित करने का आ ान किया। पिछले 12 वर्षों में कृषि और खाद्य उत्पादों के कुल निर्यात में प्रोसैस्ड खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत से अधिक होना इस क्षेत्र में अधिक मूल्यवर्धन (वैल्यु एडिशन) की संभावनाओं को दर्शाता है।

लेकिन शायद उनकी सबसे कड़ी आलोचना उस आत्मसंतुष्टि को लेकर थी, जो भारत के विशाल घरेलू बाजार के कारण उद्योग जगत में पैदा हो गई। एक सौ चालीस करोड़ उपभोक्ताओं वाला भारत अपने कारोबारियों को स्वाभाविक रूप से एक बड़ा लाभ देता है। लेकिन मोदी ने चेतावनी दी कि इस बाजार को ऐसे उत्पादों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं समझना चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे नहीं उतरते।

बेहतर गुणवत्ता वाले सामान को ''निर्यात योग्य गुणवत्ता'' (एक्स्पोर्ट क्वालिटी) के रूप में पेश करने की प्रवृत्ति पर उनकी टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी। उनका कहना था कि भारतीय उपभोक्ता भी उसी गुणवत्ता के हकदार हैं, जो विदेशी खरीदारों को दी जाती है। इसका सीधा अर्थ यह है कि गुणवत्ता केवल विदेशी बाजारों को दी जाने वाली कोई विशेष सुविधा नहीं होनी चाहिए। इसे भारतीय मैनुफैक्चरिंग की नींव बनना चाहिए।

भारत के विकास का अगला चरण केवल सरकारी पहलों के दम पर आगे नहीं बढ़ सकता। इसके लिए कंपनियों को जोखिम उठाना होगा, लंबे समय के लिए पूंजी निवेश करना होगा, अनुसंधान में पैसा लगाना होगा और उन क्षेत्रों में भी कदम रखना होगा, जहां देश की घरेलू क्षमताएं अभी पर्याप्त नहीं हैं।

मोदी ने अपने संबोधन के अंत में स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्धता और विकसित भारत के प्रति प्रतिबद्धता के बीच अंतर बताते हुए देश की व्यापक महत्वाकांक्षा को सामने रखा। भारतीय उद्योग जगत के सामने उनकी चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि अगले 20 वर्षों में केवल बड़े कारोबार ही न खड़े हों, बल्कि देश भी अधिक मजबूत बने। फिक्की की दूसरी शताब्दी की सफलता इस बात से तय होगी कि भारतीय उद्योग जगत इस चुनौती का कितना प्रभावी ढंग से जवाब देता है।

नवीनतम सर्वे में काफी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने 201 देशों में सात धार्मिक समुदायों की आबादी में होने वाले बदलावों का अध्ययन किया। ये सभी समुदाय मिलकर दुनिया की कुल आबादी का 99.98 प्रतिशत हिस्सा हैं।

अध्ययन के अनुसार, भारत में हिंदुओं की आबादी, जो 2020 में 1.11 अरब (111 करोड़) थी, उससे बढ़कर 2070 तक 1.29 अरब (129 करोड) होने का अनुमान है। यानी इसमें लगभग 17.6 करोड़ की वृद्धि होगी। लेकिन देश की कुल आबादी में हिंदुओं का प्रतिशत थोड़ा कम होने की संभावना है।

मूल रूप से इसका अर्थ यह है कि भारत में हिंदुओं की कुल संख्या तो बढ़ेगी, लेकिन देश की कुल आबादी में उनका हिस्सा घटने की उम्मीद है। इस अंतर को समझना महत्वपूर्ण है।

दो साल पहले प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (इकोनॉमिक ऐडवाइज़री काउंसिल टु द प्राइममिनिस्टर-ईएसी-पीएम) के एक अध्ययन में भी, भारत में हिंदुओं की आबादी के प्रतिशत में कमी आने की बात सामने आई थी।

इस रिपोर्ट में बताया गया था कि 1950 से 2015 के बीच, हिंदुओं की आबादी की हिस्सेदारी में 7.8 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई। इसके विपरीत, मुसलमानों, ईसाइयों, बौद्धों और सिखों सहित, अल्पसंख्यक समुदायों की हिस्सेदारी बढ़ी।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, ''प्यू'' रिसर्च का अध्ययन इस संभावित बदलाव के पीछे प्रजनन दर और मुसलमानों की कम औसत आयु को कारण मानता है। सन् 2020 में भारत में मुसलमानों की औसत आयु 24 वर्ष थी, जबकि हिंदुओं की औसत आयु 29 वर्ष थी।

इसके अलावा, अध्ययन के अनुसार, एक हिंदू महिला के बच्चों की औसत संख्या तीन दशक पहले 3.3 थी, जो घटकर 1.9 रह गई है।

''प्यू'' रिसर्च के अनुमान के अनुसार, 2025 से 2030 के बीच भारत में मुस्लिम महिलाओं के औसतन 2.3 बच्चे होने की संभावना है, जबकि हिंदू महिलाओं के मामले में यह संख्या 1.8 होगी।

फिर भी, हिंदू भारत का सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय बने रहेंगे और 2070 तक देश की तीन-चौथाई से अधिक आबादी हिंदू होगी।

2020 में भारत में अनुमानित 1.11 अरब हिंदू थे, जो दुनिया की कुल हिंदू आबादी का 94.5 प्रतिशत थे। 2070 तक यह संख्या बढ़कर 1.29 अरब होने का अनुमान है, लेकिन दुनिया की कुल हिंदू आबादी में भारत की हिस्सेदारी थोड़ी घटकर 93.6 प्रतिशत रह जाएगी।

अगर हम वैश्विक स्थिति पर नजर डालें, तो इसी अवधि में दुनिया की हिंदू आबादी में 19.9 करोड़ की वृद्धि होने का अनुमान है। लेकिन दुनिया की कुल आबादी में हिंदुओं का हिस्सा 2020 के 15 प्रतिशत से मामूली घटकर, 2070 में 14 प्रतिशत रहने की संभावना है।

''प्यू'' के अध्ययन के अनुसार, भारत के अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी बढ़ने का अनुमान है। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी लगभग दोगुनी होकर 50 लाख से बढ़कर 1.03 करोड़ होने की संभावना है। ऐसा मुख्य रुप से जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि के कारण होने की संभावना है, यानी वहां जन्म लेने वालों की संख्या, मरने वालों से अधिक होगी।

अनुमान है कि 2070 तक अमेरिका में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी होगी, जो बढ़कर 74 लाख हो जाएगी। रिपोर्ट में इसका मुख्य कारण इमिग्रेशन, अर्थात् दूसरे देशों से लोगों का अमेरिका में आकर बसना, बताया गया है।

'छोटी सजा पाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सजा देना होगा, जबकि सजा बढ़ ाने के लिए नियमों में तय प्रक्रिया और समय सीमा मौजूद है।

मामले के अनुसार, पुलिस निरीक्षक अजय कांत रतूड़ी 23 नवंबर 1996 को उपनिरीक्षक पद पर नियुक्त होकर साल 2013 को निरीक्षक बने। सेवाकाल के दौरान उन्हें तीन लघु सजाएं मिलीं। इसके बाद आरपीएस जूनियर स्केल में पदोन्नति के विचार को लेकर विवाद खड़ा हुआ और मामला खंडपीठ से होते हुए फुल बेंच के पास पहुंचा था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908